Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to set up Veterinary hospitals in Jhansi Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh - Laid.

श्री अनुराग शर्मा (झांसी): बुन्देलखण्ड क्षेत्र के झाँसी ललितपुर जनपद कृषि प्रधान जनपद हैं और अधिकाँश आबादी नेती-किसानी और पशुपालन पर आश्रित है. पानी की कमी इस क्षेत्र की एक पुरानी समस्या रही है और इस कारण सिर्फ नेते के माध्यम से किसान के लिए गुजर-बसर करना संभव नहीं हो पाता है, परिणामस्वरूप, किसान पशुपालन के माध्यम से कुछ आय अर्जित कर पाते हैं और पशुपालन उनके लिए जीवन का एक बड़ा सहारा है । जैसा कि ज्ञात है, करीब 165 मिलियन टन सालाना उत्पादन के साथ दूध के मामले में भारत आज भी दुनिया में नंबर वन पोजीशन पर है । भारत ने बीते एक दशक में इस क्षेत्र में काफी तरक्की भी की है ।

मैं बताना चाहूंगा कि बुन्द्रलखण्ड के केवल झाँसी जनपद में पशुपालन विभाग के आँकड़ों के अनुसार गौ व महीष वंश मिलाकर लगभग 5.96 लाख पशु हैं । इसमें से लगभग 1.50 लाख पशु दूध देते हैं । लेकिन राष्ट्रीय औसत की तुलना में इस क्षेत्र के पशु काफी कम दूध का उत्पादन करते हैं । वैज्ञानिक आधार पर देखा जाए तो दूध का कम या ज्यादा उत्पादन पशुओं के नस्ल की गुणवत्ता से जुड़ा हुआ मामला है और उत्तम नस्ल के पशुओं के द्वारा ज्यादा दूध के उत्पादन के कारण उनका कृषकों के अर्थव्यवस्था पर गहरा सकारात्मक असर पड़ता है, स्पष्ट है कि यदि इन पशुओं की नस्ल को सुधारने के लिए कुछ सार्थक प्रयास किए जाये तो इनके दूध देने की क्षमता में वृद्धि हो सके तो इसका लाभ हमारे बुन्देलखण्ड के किसान भाईयों को जरूर मिल सकेगा ।

मेरा अनुरोध है कि सबंधित मंत्रालय को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं ताकि प्रत्येक खंड (ब्लाक) के स्तर पर कम से कम एक पशु चिकित्सा केन्द्र की स्थापना की जाए, दुधारू पशओं में कृत्रिम गर्भाधान की प्रक्रिया अपनाई जाए ताकि उन्नत नस्ल के पशुओं की उत्पत्ति संभव हो सके, मेरा विश्वास है कि पशुओं

के संबंध में लिखा गया यह कदम किसानों के हित में ठोस कदम सिद्ध होगा, उनकी आर्थिक स्थिति में निश्चय ही बेहतरी करने में सक्षम होगा ।